

**पत्र सूचना कार्यालय
भारत सरकार
प्रधानमंत्री कार्यालय**

30-जनवरी-2019 20:55 IST

गुजरात में सूरत हवाईअड्डे पर टर्मिनल भवन के विस्तार की आधारशिला रखने के लिए आयोजित समारोह में प्रधानमंत्री का संबोधन

मेरे प्यारे भाइयों और बहनों,

आज पञ्च बाप की पण्यतिथि है और आज मैं इसके बाद दांडी में बाप के नमक सत्याग्रह को लेकर बने राष्ट्रीय नमक सत्याग्रह स्मारक का लोकार्पण करने वाला हूं। कर्मयोगियों के इस शहर सरत से मैं बाप को श्रद्धासमन करता हूं, उन्हें अर्पित करता हूं। सरत का बाप के नमक सत्याग्रह से बहुत गहरा नाता रहा है। सरत के सैंकड़ों सत्याग्रही तो बाप के साथ जड़े ही थे, साथ में ये देश के उन पहले सेंटर्स में से एक था जहां दांडी मार्च से भी पहले नमक कानून का विरोध किया गया था, ये सूरत ने किया था।

सरत ने गांधीजी के मूल्यों को हमेशा से सम्मान दिया। स्वच्छता हो, स्वावलंबन हो या फिर स्वदेशी, गांधीजी के दर्शन को सरत ने जमीन पर उतारा है। और मझे खशी है, मैं देख रहा हूं वो धवल की परी टीम। धवल मझे मिला था दिल्ली में, इन सारे नौजवान, कोई इंजीनियर हैं, कोई चार्टर्ड एकाउंटेंट हैं, कोई शिक्षक हैं, कोई व्यापारी हैं। मन में ठान लिए सफाई का काम करेंगे और उन्होंने सफाई के लिए अपने-आपको समर्पित किया है, मैं इन सभी नौजवानों को बधाई देता हूं। आज हीरे और कपड़े के साथ-साथ अनेक छोटे-छोटे उद्योगों सेमेक इन इंडिया को ये शहर सशक्त कर रहा है।

साथियों, सरत की स्प्रिटको और मजबूती देने के लिए आज सैंकड़ों करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट्सका उदघाटन और शिलान्यास किया गया है। इसमें सरत एयरपोर्ट का विस्तारीकरण तो है ही, साथ में शहर को स्मार्ट बनाने के लिए दर्जनों प्रोजेक्ट्सका उदघाटन और शिलान्यास भी किया गया है। विकास से जुड़े इन सभी प्रोजेक्ट्सके लिए मैं सूरतवासियों को, आप सभी को बहुत-बहुत बधाई।

साथियों, हमारी सरकार देश में ईज ऑफ़ लिविंग और ज ऑफ़ ड्रिंग बिजनेस की नई संस्कृति विकसित करने में जटी है। इसके लिए देश में इंफ्रास्ट्रक्चरके विकास, कनेक्टिविटीके विकास पर बल, ये हमारी प्राथमिकताएं हैं। सूरत तो देश के उन शहरों में है जहाँविश्व की सबसे तेजी से विकसित हो रही हमारी अर्थव्यवस्था में चार चांद लगाता है।

हाल में आई एक अंतर्राष्ट्रीय रिपोर्ट के बारे में हर सरती जानता है, लेकिन शायद देशवासियों को पता नहीं होगा। और उस रिपोर्ट में कहा गया है कि आने वाले 10-15 वर्षों में दुनिया के सबसे तेजी से विकसित होने वाले टॉप टेन शहरों में, दुनिया के टॉप टेन, ये सारे के सारे 10, हिन्दुस्तान के हैं। और खुशी की बात है इसमें भी सबसे टॉप पर, सबसे टॉप पर कौन है? सूरत को गर्व हो रहा है? सूरत को बधाई।

यानी स्पष्ट है कि आने वाला समय सरत का है, भारत के शहरों का है। ये सिर्फ भारत ही नहीं, परी दुनिया की आर्थिक गतिविधियों के सेंटर होने वाले हैं। यहां दुनियाभर से निवेश होने वाला है, व्यापार और कारोबार कई गुना बढ़ने वाला है, लाखों युवा साथियों को रोजगार के अवसर बनने वाले हैं।

साथियों, जब दुनिया भारत के शहरों को लेकर इतनी आशावादी है, तो ये हमारा दायित्व है कि इन शहरों को वर्तमान के साथ-साथ भविष्य के लिए तैयार किया जाए। और ये भी सही है कि हमें सरत को भविष्य के लिए तैयार करने का मतलब यहां का इंफ्रास्ट्रक्चर, यहां की व्यवस्थाएं, यहां की शिक्षा, यहां का आरोग्य; ये सब तो है ही है, यहां के मानवी के मन को भी उस ऊंचाई पर ले जाना है। और इसी सोच के साथ देशभर में हर प्रकार की कनेक्टिविटी को एक के बाद प्रोजेक्ट हम लगाए चले जा रहे हैं।

सरत का ये एयरपोर्ट, अभी गुजरात का तीसरा बड़ा एयरपोर्ट, यानी व्यस्त एयरपोर्ट बन गया है। आज से नए टर्मिनल का जो काम शुरू हुआ है, जब ये परा हो जाएगा तब यहां पर 1200 डोमेस्टिक और 600 इंटरनेशनल पैसेंजर कोमैनेजकरने की क्षमता तैयार होगी। इसका मतलब ये कि एक दिन में 1800 यात्रियों को ये एयरपोर्ट हैंडलकर पाएगा। सूरत एयरपोर्ट की

क्षमता भी सालाना चार लाख यात्री की है। जिस प्रकार के विस्तारीकरण का काम यहां हो रहा है, उसके बाद भविष्य में एयरपोर्ट की क्षमता बढ़ करके चार लाख से 26 लाख यात्री से ज्यादा हो जाएगी।

पैसेंजर के अलावा यहां की कार्गो कैपेसिटी भी बढ़ाने वाले हैं। यानी आने वाले समय में आप सभी को अपने व्यापार-कारोबार के लिए देश-विदेश में सुविधा होगी। बाहर से भी बिजनेस के लिए जो यहां व्यापारी आते हैं, उनके समय की भी बचत होगी।

साथियों, मझे बताया गया है कि कुछ ही दिनों में यहां से शारजाह के लिए एयर इंडिया एक्सप्रेस की सीधी फ्लाईट भी शुरू होने वाली है। शुरुआत में ये सविधा सप्ताह में दो दिन होगी, लेकिन मार्च से इसको सप्ताह में चार दिन किया जाना है। इस फ्लाईट से आप सभी को व्यापार की दृष्टि से भी बहुत मदद मिलने वाली है। इसके लिए भी मैं आपको बधाई और शुभकामनाएं देता हूं।

साथियों, सरकार हवाई कनेक्टिविटी से पूरे देश को जोड़ने में जटी है और इसके लिए बीते तीन-चार वर्षों में तेज गति से काम किया गया है। और इसी का परिणाम है कि 17 एयरपोर्ट्स को अपग्रेड या एक्सपेंड किया जा चुका है और अनेक एयरपोर्ट में काम तेजी से चल रहा है। सरकार का लक्ष्य है कि अगले चार वर्षों में देशभर के 50 ऐसे एयरपोर्ट्स को विकसित किया जाए जो या तो अभी सेवा में नहीं हैं या फिर बहुत कम उपयोग में लाए जा रहे हैं।

साथियों, मेरा ये सपना, और ये सपना है कि हवाई चप्पल पहनने वाला भी हवाई सफर कर सके। इसके लिए ही 'उड़े देश का आम नागरिक' यानी उड़ान योजना शुरू की गई। आज मझे ये बताते हुए खशी है कि उड़ान ने देश को दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते एविएशन मार्केट में शामिल करने में बड़ी मदद की है। उड़ान योजना से देश के एविएशन सेक्टर में 12 लाख सीटें कम कीमत पर उपलब्ध हुई हैं।

इस योजना के तहत देशभर में करीब 40 एयरपोर्ट देश के एविएशन में जोड़े गए हैं। गुजरात में भी चार रूट्स पोरबंदर-मम्बई, कांडला-अहमदाबाद, केशोड-अहमदाबाद और पोरबंदर-अहमदाबाद को उड़ान-1 और उड़ान-2 के तहत कनेक्ट किया गया है।

अब उड़ान-3 के जरिए भविष्य में सरत सहित गुजरात के लगभग एक दर्जन छोटे और बड़े एयरपोर्ट्स को देश के अलग-अलग शहरों से कनेक्ट किया जाएगा। इसमें साबरमती रिवर फ्रंट, शत्रंजयडैम और स्टेच्यु ऑफ़ यूनियटी जैसे वाटर-ड्रॉम सया वाटर एयरपोर्ट की संभावना वाले क्षेत्र भी शामिल हैं। जो लोग भावनगर जाना चाहें, तीर्थ यात्रा करना चाहते हैं, वो सी-प्लेन से शत्रंजयडैम से हो करके आसानी से पहुंच पाएंगे। यानी भविष्य में साबरमती रिवर फ्रंट से उड़कर विमान सरदार सरोवर पानी के डैम में उतरे, इसी तरह की परियोजना पर विचार हो रहा है।

साथियों, एयर कनेक्टिविटी के साथ-साथ ये भी ध्यान रखा जा रहा है कि पासपोर्ट के लिए लोगों को बड़े शहरों के चक्कर न लगाने पड़ें। साल 2014 में देश में पासपोर्ट केंद्रों की कुल संख्या करीब 80 थी। सरत के लोग याद रखेंगे- हमारे इतने बड़े देश में, इतनी बड़ी जनसंख्या, आजादी के 60-65 साल के दरम्यान, हमारे देश में पासपोर्ट देने वाले ऑफिस 80 थे। कितनी? आपने गुजराती में बोलो- कितनी? अस्सी।

आपको खशी होगी कि पिछले चार साल में जो हमने अभियान चलाया, वो आंकड़ा अब 400 पार कर चुका है। कहां 80 और कहां 400। बड़ा सोचना, ज्यादा करना, अच्छे ढंग से करना, समय पर करना: और गुजरात वाले तो जानते हैं मझे। इसके अलावा 'एम पासपोर्ट सेवा मोबाइल ऐप' जैसे माध्यम से पासपोर्ट के लिए अप्लाई करना आसान हुआ है। ज्यादा संख्या में पासपोर्ट सेवा केंद्र खोलने और पासपोर्ट नियमों को सरल करने के कारण दूरी में और देरी, दोनों में बहुत कमी आई है।

साथियों, केंद्र सरकार देश के गरीब और मध्यम वर्ग के हर व्यक्ति के जीवन को सरल और सगम बनाने में पूरी ईमानदारी से जटी हुई है। हमारा प्रयास है कि हमारे शहर साफ-सथरे रहें, ट्रैफिक जाम की समस्या न रहे, पानी और सीवर से जड़ी सविधाएं बेहतर हों, सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से सुरक्षा का एहसास मिले, कानून व्यवस्था की स्थिति बेहतर हो: ये सारी व्यवस्थाएं 'स्मार्ट सिटी मिशन' और 'अमृत योजना' के माध्यम से साकार की जा रही हैं। एक फोकस्ड अप्रोच के साथ मिशन मोड पर काम किया जा रहा है।

साथियों, आज यहां जिन दर्जनों प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और शिलान्यास किया गया है, वो हमारे इस अभियान को और गति देने वाले हैं। इसमें सीवर, पानी, फ्लाईओवर, सड़क, शिक्षा से जुड़े अनेक प्रोजेक्ट्स हैं। इसके अलावा प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत हजारों घरों का भी आज यहां उद्घाटन और शिलान्यास किया गया है। ये सारे घर सूरत के गरीब बहन-भाइयों के जीवन को समृद्ध करने वाले हैं।

भाइयों और बहनों, बीते साढ़े चार वर्षों में शहर में रहने वाले गरीब भाई-बहनों के लिए 13 लाख से अधिक घर बनाए जा चुके हैं। 37 लाख घरों पर काम चल रहा है और शहरों में नए 70 लाख और बनाने के लिए सरकार स्वीकृति दे चुकी है। इस तरह देश के ग्रामीण इलाकों में भी साल 2014 के बाद से एक करोड़ 30 लाख से ज्यादा घरों का निर्माण किया जा चुका है, वो उस घर में रहने के लिए चले गए हैं, ये दिवाली भी उन्होंने अपने घर में मनाई।

ये संख्या अपने-आप में कितनी बड़ी है, इसका अंदाजा आप इसी से लगा सकते हैं कि पहली की सरकार ने, और ये आंकड़ा भी जरा सरत के लोग याद रखें, उनके कार्यकाल में 25 लाख घर बनवाए थे। कितने? कितने? 25 लाख। जरा बताइए ना कितने? 25 लाख घर बनवाए थे। गरीब को, अपने बेघर भाई-बहनों को पक्की छत मिले, इसके लिए आज भारतीय जनता पार्टी की सरकार एक करोड़ 30 लाख मकान बना दिए, एक करोड़ 30 लाख। उनके कालखंड में कहां 25 लाख और हमारे चार साल में कहां एक करोड़ 30 लाख।

अगर मैं जितना काम कर रहा हूं, उतना आपको करना होता तो और 25 साल लग जाते। इतना ही नहीं, इसी सरकार ने पहली बार मध्यम वर्ग के लिए भी, और मैं सरत और शहरों के लोगों से आग्रह करूंगा कि इस बात को समझें कितनी बड़ी मदद आपको हो सकती है, इसका फायदा उठाइए आप।

पहली बार, हमारे देश में ये योजना हमारी सरकार बनने से पहले नहीं थी। अगर मध्यम वर्ग का परिवार का व्यक्ति अपना घर बनाना चाहता है, बच्चे बड़े हुए हैं, नया घर लेना चाहता है; कोई व्यवस्था नहीं थी। मध्यम वर्ग को उसके नसीब पर छोड़ दिया गया था।

हमने आ करके पहली बार मध्यम वर्ग के लिए भी घरों की एक नई कैटेगरी बनाकर उसे ब्याज में राहत का अभियान चलाया हुआ है। और इससे फायदा क्या होता है, एक अनमान के तहत अगर मध्यम वर्ग का व्यक्ति 20 लाख रुपये का लोन लेता है और उस 20 लाख रुपये के लोन से प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान बनाने जाता है, तो उसके ब्याज में कटौती की जाएगी। और उसका परिणाम ये आएगा कि जब परे मकान के पैसे बैंक को वापिस देगा तब करीब-करीब 6 लाख रुपये की बचत हो रही है उसको। यानी मध्यम वर्ग के परिवार को एक घर बनाने में 6 लाख रुपये की बचत।

हिन्दुस्तान में इतनी सरकारें आ करके गईं, न किसी सरकार ने सोचा था, न किसी सरकार ने किया था। ये हमारे में दम है कि भारत के बढ़ते जाते मध्यमवर्गीय परिवारों की हम चिंता कर रहे हैं और इसके साथ सबसे बड़ा लाभ मध्यम वर्ग के उन युवाओं को मिला है जो करियर के शुरुआती वर्षों में ही अपना घर खरीदने की इच्छा रखते हैं।

कछ लोग सवाल पछते हैं कि नोटबंदी से क्या फायदा हुआ? उन्हें ये सवाल उन युवाओं से भी पछना चाहिए जिन्हें नोटबंदी के बाद कम हई घरों की कीमतों का लाभ मिलना शुरू हुआ है। उस गरीब और मध्यम वर्ग से सवाल पछना चाहिए, जिसका घर का सपना अब साकार होना संभव हुआ है। वरना, नोटबंदी से पहले इस तरह रियल एस्टेट सेक्टर में काला धन हावी था, और सूरत वालों को तो इसका भलीभांति पता है। बड़े-बड़े दिग्गज लोगों के नाम जानते हैं आप।

भाइयों और बहनों, हमारी सरकार ने 'रेरा कानून' बनाकर ये भी सनिश्चित किया है कि गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों की कमाई हाउसिंग प्रोजेक्ट्स में फंसनी नहीं चाहिए। 'रेरा कानून' के तहत 30-35 हजार बिल्डरों ने अपना रजिस्ट्रेशन करवाया है और तय नियम के मुताबिक लाखों घरों का निर्माण कर रहे हैं।

साथियों, अब सरकार में, और जब सरकार में इच्छाशक्ति हो तो कैसे परिवर्तन आता है, इसका एक उदाहरण LED बल्ब भी है। पहले जो LED बल्ब 350 रुपये तक में मिलता था, अब उसे 40-50 रुपये में उपलब्ध कराया जा रहा है। अब आप मझे मत पछना कि 40-50 का बल्ब 350 में बिकता था तो बीच वाले पैसे कहां जाते थे, वो मझे मत पछना। उसका जवाब राजीव गांधी दे करके गए हैं। उन्होंने कहा हुआ है, एक रुपया जाता है तो 15 पैसा पहुंचता है, 85 पैसा कौन सा पंजा खाता था, वो सारी दुनिया जानती है।

बीते साढ़े चार साल में सरकार ने 32 करोड़ LED बल्ब वितरित किए हैं। इस वजह से लोगों के बिजली बिल में सालाना करीब-करीब साढ़े 16 हजार, 16 हजार 500 करोड़ रुपयों की बचत हुई है। ये पैसा ज्यादातर मध्यम वर्ग के परिवारों में बचा है।

इसी तरह हमारी सरकार की मद्रा योजना ने गरीब और निम्न-मध्यम वर्ग के युवाओं के सपनों को नई उड़ान दी है। पहले युवा अगर अपना रोजगार करने के बारे में सोचता था तो उसे बैंक से कर्ज लेते समय गारंटी की समस्या आती थी।

हमारी सरकार ने मद्रा योजना के तहत अब तक 15 करोड़ से ज्यादा लोन बिना बैंक गारंटी दे चकी है। आप सोचिए, इसके तहत लोगों को अपना रोजगार शुरू करने के लिए बिना बैंक गारंटी सात लाख करोड़ रुपये का सरकार की तरफ से दिया गया है। इनमें से 4 करोड़ 25 लाख से ज्यादा ऐसे लोग हैं जिन्होंने पहली बार कर्ज लिया है। यानी बीते साढ़े चार साल में देश को 4 करोड़ 25 लाख नए उद्यमी भी मिले हैं।

भाइयोंऔर बहनों, इन व्यापक योजनाओं और बड़े फैसलों के पीछे सबसे बड़ी वजह है, आपके एक-एक वोट की ताकत से बनी पूर्ण बहमत की सरकार। आपको लगता होगा, अभी जब मैं मकान की चाबी दे रहा था, आपको लगता होगा ये मकान मोदी दे रहा है; किसी को लगता होगा ये मकान भारत सरकार दे रही है।

जी नहीं, ये मकान न मोदी दे रहा है, न भारत सरकार दे रही है: ये मकान आप दे रहे हैं। ये आपके एक वोट की ताकत है कि गरीब को घर मिला है। ये आपके वोट की महत्ता है जो गरीब को घर देने की व्यवस्था देता है। और इसलिए ये जो बदलाव आप देख रहे हैं, वो बदलाव आपके वोट की ताकत के कारण है, मोदी की ताकत के कारण नहीं है।

भाइयोंऔर बहनों, आपको मालम है 30 साल तक हमारे देश में अस्थिरताका दौर रहा। त्रिशंक पार्लियामेंट बनी, किसी को पूर्ण बहमत नहीं मिला। जोड़-तोड़ करके सरकारें चलाई गईं। जिसका मर्जी पड़े, उस तरफ खींचता चला गया। देश वहीं का वहीं अटक गया और कुछ बातों में पीछे चला गया। पिछले चार-साढ़े चार साल से हम आगे बढ़ पा रहे हैं, उसका एक प्रमुख कारण है- देश की जनता ने समझदारी से वोट डाला और त्रिशंक की 30 साल परानी बीमारी से देश को मुक्त कर दिया, पूर्ण बहमत की सरकार बना दी। और नई पीढ़ी देख सकती है कि पूर्ण बहमत की सरकार कड़े फैसले भी ले सकती है, बड़े फैसले भी ले सकती है; हिम्मत के साथ देश को आगे बढ़ा सकती है, और ये काम हमने किया है।

पूर्ण बहमत की सरकार का ये माहात्म्य है, पूर्ण बहमत की सरकार जवाबदेह भी होती है। आज कोई भी मझे पछ सकता है, बताओ मोदीजी, साढ़े चार साल मैं क्या किया। अगर पूर्ण बहमत की सरकार न होती तो मोदी आराम से कह देता, अरे क्या करें भई, वो मिली-जली सरकार है, कुछ फैसले करना बड़ा मुश्किल होता है, चल जाती गाड़ी: लेकिन नहीं देश की जनता ने पूर्ण बहमत का फैसला करके दुनिया में देश का नाम बढ़ाया है। और इसलिए एक-एक मतदाता अपने वोट की ताकत समझता है, देशको आगे बढ़ाने में उसकी भागीदारी देखता है। तो देश कैसे बढ़ रहा है, वो चार-साढ़े चार साल में हमने देखा है।

आप याद करिए, सरकारें कैसे चलती थीं। मझे बताइए, आज सरत एयरपोर्ट पर 70-72 हवाई जहाज चल रहे हैं। अभी सी.आर. पाटिल जी बता रहे थे कि 70-72 जहाज आते-जाते हैं। लेकिन क्या कभी हम ये भूल सकते हैं कि किस प्रकार से यहां एयरपोर्ट के लिए आंदोलन करने पड़ते थे, मेमोरंडम देने पड़ते थे, दिल्ली सरकार तक दरवाजे खटखटाने पड़ते थे। मैं भी उस समय की दिल्ली की सरकार को मुख्यमंत्री के नाते चिट्ठियां लिख-लिख करके थक गया था, लेकिन उनके दिमाग में कोई राजनीतिकबद्ध इरादा था कि सूरत को ये सुविधा नहीं दी जाती थी, रोड़े अटकाए जाते थे।

मैं उनको समझाता था, सरत में ताकत है, एयरलाइन्स को फायदा होगा, देश को फायदा होगा: सनने को तैयार नहीं थे। आप मझे बताइए, चार लाख पैसेंजर्ससे 26 लाख पैसेंजर्स की क्षमता करने की नौबत आ गई, ये कितनी ताकत थी, जो हमें दिखता था, उनको नहीं दिखता था। सरत वालों को दिखता था, उनको नहीं दिखता था; क्योंकि हम 'सबका साथ, सबका विकास' इसकी मंत्र को लेकर काम करने वाले लोग।

साथियों, एक तरफ हम पूरी शक्ति से परानी व्यवस्था की कमियों को बदलने में जटे हैं, नया भारत बनाने में जटे हैं: वहीं दूसरी तरफ- कुछ ऐसे भी लोग हैं जो हमारे इन प्रयासों की मजाक उड़ाते रहते हैं। वो लोग जिन्होंने बीते छह-सात दशक में देश की संध नहीं ली, सिर्फ अपनी चिंता की, वो बदलते हुए इस भारत को देख नहीं पा रहे। ऐसे नकारात्मक सोच वाले लोगों की परवाह किए बिना हम आगे बढ़ने वाले हैं। नए भारत की नई ऊर्जा को हम विकास में ही लगाने वाले हैं।

मैं फिर एक बार आप सभी को जीवन और कारोबार को आसान करने वाली इन परियोजनाओं के लिए बहुत-बहुत बधाई देता हूँ।

आप इतनी बड़ी संख्या में आशीर्वाद देने के लिए पहुंचे, इसके लिए भी मैं आपका बहुत आभारी हूँ। मेरे साथ पूरी ताकत से बोलिए-

भारत माता की - जय

भारत माता की - जय

भारत माता की - जय

बहुत-बहुत धन्यवाद।

अतुल तिवारी/ कंचल पतियाल/ निर्मल शर्मा

**पत्र सूचना कार्यालय
भारत सरकार
प्रधानमंत्री कार्यालय**

15-जनवरी-2019 21:00 IST

राष्ट्रीय राजमार्ग-66 पर कोल्लम उपमार्ग के शुभारंभ के दौरान प्रधानमंत्री के उद्बोधन का मूलपाठ

केरल की बहनों और भाईयों,

साक्षात ईश्वर के इस स्थान की यात्रा कर मैं स्वयं को धन्य महसूस कर रहा हूँ। कोल्लम में अष्टमुदि झील के किनारे मुझे पिछले वर्ष आई बाढ़ की क्षतिपूर्ति हो जाने की अनुभूति हो रही है। किंतु हमें केरल का पुनर्निर्माण करने के लिये और अधिक कठिन परिश्रम करना होगा।

मैं इस उपमार्ग का कार्य पूरा होने पर आपको बधाई देता हूँ, जो लोगों की ज़िंदगी आसान बना देगा। लोगों के लिये जीवन आसान बना देना मेरी सरकार की प्रतिबद्धता है। हम 'सबका साथ सबका विकास' पर विश्वास करते हैं। इस प्रतिबद्धता के साथ मेरी सरकार ने जनवरी 2015 में इस परियोजना को अंतिम अनुमति प्रदान की। मैं राज्य सरकार के योगदान एवं सहयोग से प्रसन्न हूँ, हमने परियोजना को प्रभावी ढंग से पूर्ण किया है। मई 2014 से ही जब मेरी सरकार ने कार्यभार संभाला हमने केरल में ढांचागत व्यवस्था को विकसित करने को प्राथमिकता दी है। भारतमाला के अंतर्गत मुंबई कन्याकुमारी गलियारे पर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की जा रही है। ऐसी अनेक परियोजनाएं तैयार होने के विभिन्न चरणों में हैं।

हमारे देश में हमने अक्सर देखा है कि घोषणा करने के पश्चात ढांचागत परियोजनाएं विभिन्न कारणों से अवरुद्ध हो जाती हैं। लागत एवं लगने वाले समय बीतने के कारण जनता का बहुत सा पैसा व्यर्थ चला जाता है। हमने निर्धारित किया कि जनता के पैसे की यह बर्बादी जारी नहीं रह सकती। 'प्रगति' के माध्यम से हम परियोजनाओं को गति प्रदान कर रहे हैं एवं इस समस्या से निपट रहे हैं।

हर महीने के अंतिम बुधवार मैं भारत सरकार के सभी सचिवों एवं राज्य सरकारों के मुख्य सचिवों के साथ बैठता हूँ एवं देरी से चल रही ऐसी परियोजनाओं की समीक्षा करता हूँ।

मुझे यह जानकर आश्चर्य हुआ कि कुछ परियोजनाएं 20 से 30 वर्ष पुरानी हैं एवं बहुत अधिक देरी से चल रही हैं। इतने लंबे समय तक आम आदमी को एक परियोजना अथवा योजना के लाभों से वंचित रखना एक अपराध है। अब तक मैंने प्रगति के अंतर्गत लगभग 12 लाख करोड़ रुपये की 250 से अधिक परियोजनाओं की समीक्षा की है।

मित्रों, अटलजी ने कनेक्टिविटी की शक्ति पर विश्वास किया था एवं हम उनके दृष्टिकोण को आगे ले जा रहे हैं। राष्ट्रीय राजमार्गों से लेकर ग्रामीण सड़कों तक पिछली सरकार की तुलना में निर्माण की गति लगभग दोगुनी हो गई है।

जब हमने सरकार बनाई तब मात्र 56% ग्रामीण बसावटें सड़क सम्पर्क से जुड़ी थीं। आज 90% से अधिक ग्रामीण बसावटें सड़क से जुड़ी हैं। मैं आश्वस्त हूँ कि हम निश्चित रूप से 100% के लक्ष्य की शीघ्र ही प्राप्ति कर लेंगे।

सड़क क्षेत्र में मेरी सरकार ने रेलवे, जलमार्ग एवं वायुमार्ग को प्राथमिकता दी है। वाराणसी से हल्दिया तक राष्ट्रीय जलमार्ग पहले ही प्रारंभ हो चुका है। यह परिवहन का एक स्वच्छ ज़रिया सुनिश्चित करेगा एवं भविष्य की पीढ़ियों के लिये पर्यावरण संरक्षण करेगा। पिछले चार वर्षों में क्षेत्रीय वायु सम्पर्क में भी काफी वृद्धि हुई है। विद्युतीकरण को दोगुना करने एवं नये ट्रैक बिछाने की दरने काफी वृद्धि दर्ज की है। इस सभी से नौकरियों का सृजन भी हो रहा है।

जब हम सड़कें एवं पुलों का निर्माण करते हैं, हम सिर्फ कस्बों एवं गांवों को ही नहीं जोड़ते। हम आकांक्षाओं को उपलब्धियों से, अवसरों को आशावादिता से एवं आशा को खुशी से भी जोड़ते हैं।

मेरी प्रतिबद्धता देश के हर नागरिक का विकास करने की है। पंक्ति में खड़ा अंतिम व्यक्ति मेरी प्राथमिकता में है। मेरी सरकार ने मत्स्यपालन क्षेत्र के लिये 7,500 करोड़ रुपये की लागत से एक नवीन निधि का अनुमोदन किया है।

आयुष्मान भारत के अंतर्गत हम निर्धनों के एक परिवार को एक वर्ष में 5 लाख रुपये तक का नकदी रहित स्वास्थ्य बीमा मुहैया करवा रहे हैं। अब तक 8 लाख से भी अधिक रोगियों ने इस योजना का लाभ उठाया है। सरकार ने अब तक 1,100 करोड़ रुपये से अधिक धनराशि अनुमोदित की है। मैं केरल सरकार से अनुरोध करता हूँ कि योजना के कार्यान्वयन में तेज़ी लाएं ताकि केरल के लोग इसका लाभ उठा सकें।

पर्यटन केरल के आर्थिक विकास की विशिष्टता एवं प्रदेश की अर्थव्यवस्था में योगदान देने वाला प्रधान योगदाता रहा है। मेरी सरकार ने पर्यटन के क्षेत्र में कठोर परिश्रम किया है एवं परिणाम उत्कृष्ट रहे हैं। वर्ल्ड ट्रेवल एण्ड ट्यूरिज़्म काउंसिल की 2018 की पावर रैंकिंग रिपोर्ट में भारत को तीसरे स्थान पर रखा गया है। यह एक बड़ी बात है जो देश में समूचे पर्यटन क्षेत्र के लिये अच्छी सूचना देती है।

वर्ल्ड इकॉनॉमिक फोरम की ट्रेवल एण्ड ट्यूरिज़्म कम्पिटिटिव इंडेक्स में भारत की रैंकिंग 65वें से 40वें स्थान पर पहुंच चुकी है।

भारत में विदेशी सैलानियों का आगमन 2013 में लगभग 70 लाख से 2017 में लगभग 1 करोड़ हो चुका है। यह 42% की बढ़ोतरी है ! पर्यटन से अर्जित विदेशी मुद्रा 2013 में 18 बिलियन डॉलर से 2017 में 27 बिलियन डॉलर पहुंच चुकी है ! यह 50% की उछाल है ! वस्तुतः भारत 2017 में विश्व में सर्वाधिक विकास करने वाले पर्यटन गंतव्यों में से एक रहा। 2016 के दौरान इसकी बढ़ोतरी 14% रही, जबकि दुनिया इसी वर्ष में औसत 7% गति से बढ़ी।

ई-वीज़ा का लाया जाना भारतीय पर्यटन का हुलिया बदलने वाला रहा है। विश्व भर में 166 देशों के नागरिकों के लिये अब यह सुविधा उपलब्ध है।

मेरी सरकार ने पर्यटक, विरासत एवं धार्मिक गंतव्यों के इर्द-गिर्द आधारभूत ढांचे की रचना करने के लिये दो फ्लैगशिप कार्यक्रमों की शुरुआत की है- स्वदेश दर्शन: इंटीग्रेटेड डेव्हलपमेंट ऑफ थीम बेस्ड ट्रिस्ट्स एंड प्रसाद।

केरल की पर्यटन क्षमता की पहचान करते हुए हमने तकरीबन 550 करोड़ रुपये की लागत से स्वदेश दर्शन एवं प्रसाद योजनाओं के अंतर्गत राज्य में सात परियोजनाओं का अनुमोदन किया है।

आज मैं बाद में श्री पद्मनाभस्वामी में ऐसी ही एक परियोजना का शुभारंभ करूंगा। तिरुवनंतपुरम में मंदिर। मैं केरल तथा देश के अन्य क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के कल्याण के लिये भगवान पद्मनाभस्वामी से आशीर्वाद भी मांगूंगा।

मैंने “कोल्लमकंडलील्लामवेदा” वाक्यांश सुना है जिसका अर्थ होता है एक बार कोल्लम में होने पर कोई घर की कमी महसूस नहीं करता। मैं भी यही भावना रखता हूँ। मैं स्नेह तथा प्रेम के लिये केरल तथा कोल्लम के लोगों का धन्यवाद अता करता हूँ। मैं एक विकसित तथा सुदृढ़ केरल के लिये प्रार्थना करता हूँ।

नन्नी नमस्कारम्

हिंदी इकाई, पसूका, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री कार्यालय

वंदे भारत एक्सप्रेस को झंडी दिखाकर रवाना करने के लिए आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री के संबोधन का मूल पाठ

प्रविष्टि तिथि: 15 FEB 2019 1:35PM by PIB Delhi

सबसे पहले मैं पुलवामा के आतंक के हमले में शहीद जवानों को आदरपूर्वक श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ। उन्होंने देश की सेवा करते हुए अपने प्राण न्योछावर किए हैं। दुख की इस घड़ी में मेरी और हर भारतीय की संवेदनाएं उनके परिवार के साथ हैं।

इस हमले की वजह से देश में जितना आक्रोश है, लोगों का खून खोल रहा है; ये मैं भलीभांति समझ पा रहा हूँ। इस समय जो देश की अपेक्षाएं हैं, कुछ कर गुजरने की भावनाएं हैं, वो भी स्वाभाविक हैं। हमारे सुरक्षा बलों को पूर्ण स्वतंत्रता दे दी गई है। हमें अपने सैनिकों के शौर्य पर, उनकी बहादुरी पर पूरा भरोसा है। मूझे पूरा भरोसा है कि देशभक्ति के रंग में रंगे लोग सही जानकारियां भी हमारी एजेंसियों तक पहुंचाएंगे ताकि आतंक को कुचलने में हमारी लड़ाई और तेज हो सके।

मैं आतंकी संगठनों को और उनके सरपरस्तों को कहना चाहता हूँ कि वे बहुत बड़ी गलती कर चुके हैं, बहुत बड़ी कीमत उनको चुकानी पड़ेगी।

मैं देश को भरोसा देता हूँ कि हमले के पीछे जो ताकतें हैं, इस हमले के पीछे जो भी गुनहगार हैं, उन्हें उनके किए की सजा अवश्य मिलेगी। जो हमारी आलोचना कर रहे हैं, उनकी भावनाओं का भी मैं आदर करता हूँ। उनकी भावनाओं को मैं भी समझ पाता हूँ और आलोचना करने का उनका पूरा अधिकार भी है।

लेकिन मेरा सभी साथियों से अनुरोध है कि ये वक्त बहुत ही संवेदनशील और भावुक पल है। पक्ष में या विपक्ष में, हम सब राजनीतिक छिंटाकशी से दूर रहें। इस हमले का देश एकजुट हो करके मुकाबला कर रहा है, देश एक साथ है, देश का एक ही स्वर है और यही विश्व में सुनाई देना चाहिए क्योंकि लड़ाई हम जीतने के लिए लड़ रहे हैं।

पूरे विश्व में अलग-थलग पड़ चुका हमारा पड़ोसी देश अगर ये समझता है कि जिस तरह के कृत्य वो कर रहा है, जिस तरह की साजिशें रच रहा है, उससे भारत में अस्थिरता पैदा करने में सफल हो जाएगा तो वो ख्वाब हमेशा-हमेशा के लिए छोड़ दे। वो कभी ये नहीं कर पाएगा और न कभी ये होने वाला है।

इस समय बड़ी आर्थिक बदहाली के दौर से गुजर रहे हमारे पड़ोसी देश को ये भी लगता है कि वो ऐसी तबाही मचाकर भारत को बदहाल कर सकता है; उसके ये मंसूबे भी कभी पूरे होने वाले नहीं हैं। वक्त ने सिद्ध कर दिया है कि जिस रास्ते पर वो चले हैं, वो तबाही देखते चले हैं और हमने जो रास्ता अख्तियार किया है, वो तरक्की करता चला जा रहा है।

130 करोड़ हिन्दुस्तानी ऐसी हर साजिश, ऐसे हर हमले का मुंहतोड़ जवाब देगा। कई बड़े देशों ने बहुत ही सख्त शब्दों में इस आतंकी हमले की निंदा की है और भारत के साथ खड़े होने की, भारत को समर्थन की भावना जताई है।

मैं उन सभी देशों का आभारी हूँ और सभी से आह्वान करता हूँ कि आतंकवाद के खिलाफ सभी मानवतावादी शक्तियों को एक हो करके लड़ना ही होगा, मानवतावादी शक्तियों ने एक हो करके आतंकवाद को परास्त करना ही होगा।

आतंक से लड़ने के लिए जब सभी देश एकमत, एक स्वर, एक दिशा से चलेंगे तो आतंकवादक कुछ पल से ज्यादा नहीं टिक सकता है।

साथियो, पुलवामा हमले के बाद अभी मनःस्थिति और माहौल दुख के साथ आक्रोश से भरा हुआ है। ऐसे हमलों का देश डटकर मुकाबला करेगा। ये देश रुकने वाला नहीं है। हमारे वीर शहीदों ने अपने प्राणों की आहुति दी है। और देश के लिए मर-मिटने वाला हर शहीद दो सपनों के लिए जिंदगी लगाता है- पहला, देश की सुरक्षा, दूसरा, देश की समृद्धि। मैं सभी वीर शहीदों को, उनकी आत्मा को नमन करते हुए, उनके आशीर्वाद लेते हुए, मैं फिर एक बार विश्वास जताता हूँ कि जिन दो सपनों को ले करके उन्होंने जीवन को आहुत किया है, उन सपनों को पूरा करने के लिए हम जीवन का पल-पल खपा देंगे। समृद्धि के रास्ते को भी हम और अधिक गति दे करके, विकास के रास्ते को और अधिक ताकत दे करके, हमारे इन वीर शहीदों की आत्मा को नमन करते हुए आगे बढ़ेंगे और उसी सिलसिले में मैं वंदे भारत एक्सप्रेस के concept और डिजाइन से लेकर इसको जमीन पर उतारने वाले हर इंजीनियर, हर कामगार का आभार व्यक्त करता हूँ।

चेन्नई में बनी ये ट्रेन दिल्ली से काशी के बीच पहला सफर करने वाली है। यही एक भारत-श्रेष्ठ भारत की सच्ची ताकत है, वंदे भारत एक्सप्रेस की ताकत है।

साथियो, बीते साढ़े चार वर्षों में हमने भारतीय रेल की स्थिति को बहुत ईमानदारी के साथ, बहुत परिश्रम के साथ बदलने का प्रयास किया है; वंदे भारत एक्सप्रेस उन कार्यों की ही एक झलक है। बीते वर्षों में रेलवे उन सेक्टर्स में रहा है जिसने Make in India के तहत manufacturing में बहुत प्रगति की है। साथ ही, देश में रेल कोच फैक्टरियों का आधुनिकीकरण, डीजल इंजनों का इलेक्ट्रिक में बदलने का काम, और इसके लिए नए कारखाने भी शुरू किए गए हैं।

आपको याद होगा, पहले रेलवे टिकट में ऑनलाइन रिजर्वेशन की क्याहालत थी। उस समय एक मिनट में दो हजार से ज्यादा टिकट बुक न हीं हो सकते थे। अब आज मुझे बहुत संतोष है कि रेलवे की वेबसाइट बहुत user friendly हुई है और एक मिनट में 20 हजार से ज्यादा टिकट बुक हो सकते हैं। पहले हालात ये थे कि एक रेलवे प्रोजेक्ट को स्वीकृति मिलने में कम से कम दो साल लग जाते थे, अब देश में एक रेलवे प्रोजेक्ट तीन या चार या ज्यादा से ज्यादा छह महीने में स्वीकृत हो जाते हैं। ऐसे ही प्रयास से रेलवे के कार्यों में नई गति आई है। पूरे देश में broad gauge की लाइनों से unmanned crossing को एक बड़ा अभियान चलाकर खत्म कर दिया गया है।

अब जब हम सरकार में आए थे तो देश में 8 हजार 300 से ज्यादा मानव रहित railway crossing थीं, इस वजह से आए दिन हादसे होते रहते थे। अब broad gauge लाइनों पर मानव रहित रेल के क्रॉसिंग खत्म होने से हादसे भी कम हुए हैं।

देश में रेलवे पटरियों को बिछाने का काम हो या फिर बिजलीकरण का काम, पहले से दोगुनी रफ्तार से हो रहा है। देश के सबसे व्यस्त रूटों को प्राथमिकता देकर उन्हें पारम्परिक ट्रेनों से मुक्त किया जा रहा है। बिजली से चलने वाली ट्रेनों में हम देख रहे हैं कि प्रदूषण भी कम होगा, डीजल का खर्च भी बचेगा और ट्रेनों की गति भी बढ़ जाएगी।

जाहिर है, रेलवे को आधुनिक बनाने के इन प्रयासों से रोजगार के नए अवसर भी बने हैं। मुझे बताया गया है कि 2014 से लेकर अब तक करीब-करीब डेढ़ लाख कर्मचारियों की नियुक्ति रेलवे में हुई है। अभी जो भर्ती अभियान चल रहा है, उसके बाद ये संख्या सवा दो लाख तक पहुंचने की उम्मीद है।

साथियो, मैं ये दावा नहीं करता कि इतने कम समय में हम लोगों ने सब कोशिश करने के बावजूद भी भारतीय रेल में हमने सब कुछ बदल दिया है, ऐसा दावा न हम कभी करते हैं; अभी भी बहुत कुछ करना बाकी है। इतना मैं जरूर कह सकता हूँ कि भारतीय रेल को आधुनिक रेल सेवा बनाने की दिशा में हम तेज गति से आगे बढ़ रहे हैं और मैं विश्वास दिलाता हूँ कि इस विकास की यात्रा को और गति देंगे, और ताकत देंगे। जल हो, थल हो, नभ हो; हिन्दुस्तान का पूर्व हो, पश्चिम हो, उत्तर हो, दक्षिण हो; सबका साथ-सबका विकास, इसी मंत्र को ले करके विकास

की इस राह को आगे बढ़ाएंगे। विकास के माध्यम से भी देश के लिए मर-मिटने वालों को हम नमन करते रहेंगे और सुरक्षा के क्षेत्र में भी पूरी ताकत से गुनहगारों को सजा दे करके देश की रक्षा के लिए जीवन न्योच्छावर करने वालों का जो भी रक्त है, उस एक-एक रक्त की बूंद की कीमत लेकर रहेंगे।

इसी विश्वास के साथ मैं मेरी वाणी को विराम देता हूं। इन शहीदों के नाम मेरे साथ बोलिए-

वंदे मातरम - वंदे मातरम

वंदे मातरम – वंदे मातरम

वंदे मातरम - वंदे मातरम

अतुल तिवारी/शाहबाज हसीबी/ निर्मल शर्मा

(रिलीज़ आईडी: 1564979) आगंतुक पटल : 145

इस विज्ञप्ति को इन भाषाओं में पढ़ें: Assamese , English , Urdu , Marathi , Bengali , Gujarati , Tamil